

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीमद् भागवत रसिक कुटुंब

मधुराष्टकम्



श्रीमद् भागवत का यह सार
भगवद् भक्ति ही आधार

मधुराष्टकम्

अधरं(म्) मधुरं(म्) वदनं(म्) मधुरं(न्),
नयनं(म्) मधुरं(म्) हसितं(म्) मधुरं(म्) ।
हृदयं(म्) मधुरं गमनं(म्) मधुरं(म्),
मधुराधिपते रखिलं(म्) मधुरं(म्) ॥1॥

वचनं(म्) मधुरं(ञ्) चरितं(म्) मधुरं(म्),
वसनं(म्) मधुरं(म्) वलितं(म्) मधुरं(म्) ।
चलितं(म्) मधुरं(म्) भ्रमितं(म्) मधुरं(म्),
मधुराधिपते रखिलं(म्) मधुरं(म्) ॥2॥

वेणुर्मधुरो रेणुर्मधुरः(फ्),
पाणिर्मधुरः(फ्) पादौ मधुरौ ।
नृत्यं(म्) मधुरं(म्) सख्यं(म्) मधुरं(म्),
मधुराधिपते रखिलं(म्) मधुरं(म्) ॥3॥

गीतं(म) मधुरं(म) पीतं(म) मधुरं(म),
भुक्तं(म) मधुरं(म) सुप्तं(म) मधुरं(म) ।
रूपं(म) मधुरं(न) तिलकं(म) मधुरं(म),
मधुराधिपते रखिलं(म) मधुरं(म) ॥4॥

करणं(म) मधुरं(न) तरणं(म) मधुरं(म),
हरणं(म) मधुरं(म) रमणं(म) मधुरं(म) ।
वमितं(म) मधुरं(म) शमितं(म) मधुरं(म),
मधुराधिपते रखिलं(म) मधुरं(म) ॥5॥

गुञ्जा मधुरा माला मधुरा,
यमुना मधुरा वीची मधुरा ।
सलिलं(म) मधुरं(म) कमलं(म) मधुरं(म),
मधुराधिपते रखिलं(म) मधुरं(म) ॥6॥

गोपी मधुरा लीला मधुरा,
युक्तं(म) मधुरं(म) मुक्तं(म) मधुरं(म) ।
दृष्टं(म) मधुरं(म) सृष्टं(म) मधुरं(म),
मधुराधिपते रखिलं(म) मधुरं(म) ॥7॥

गोपा मधुरा गावो मधुरा,
यष्टिर्मधुरा सृष्टिर्मधुरा ।
दलितं(म) मधुरं(म) फलितं(म) मधुरं(म),
मधुराधिपते रखिलं(म) मधुरं(म) ॥8॥

॥ श्रीवल्लभाचार्य कृत ॥